भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 107
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 21 जुलाई 2025
30 आषाढ़,1947 (शक)

पश्चिम बंगाल के बामनपुकुर स्थित किले के अवशेषों की स्थिति

107. श्री जगन्नाथ सरकार:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पश्चिम बंगाल राज्य के नादिया जिले के बामनपुकुर स्थित किले के अवशेषों जिन्हें 1920 में राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया गया था, को अब विलुप्त बताया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो उक्त स्मारक के विलुप्त होने के क्या कारण हैं और इसके संरक्षण में क्या विशिष्ट चुनौतियाँ है;

(ग) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा उक्त स्मारक का पता लगाने और उसके जीर्णोद्धार के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों तथा उस क्षेत्र में हाल ही में किए गए सर्वेक्षण या उत्खनन का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने पश्चिम बंगाल या देश भर में ऐसे अन्य स्मारकों की पहचान की है जो अज्ञात हैं या विलुप्त हो गए हैं और यदि हाँ तो उनका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) ऐसे सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों को और अधिक क्षति से बचाने के लिए लागू किए जा रहे उपायों का, और इस हेतु निगरानी, दस्तावेजीकरण और सामुदायिक सहभागिता में सुधार का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के बामनपुकुर में अवस्थित किले का अवशेष भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सक्रिय संरक्षण एवं नियंत्रण में राष्ट्रीय महत्व का एक स्मारक है।

(घ): पश्चिम बंगाल राज्य से किसी भी स्मारक के लापता अथवा लुप्त होने की सूचना नहीं मिली है। तथापि, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा हाल ही में की गई एक समीक्षा में देश भर में फैले 18 स्मारकों की पहचान की गई जो राष्ट्रीय महत्व के स्मारक की श्रेणी में नहीं रहे और उन्हें दिनांक 01.07.2025 की अधिसूचना संख्या 2974 (ई) और दिनांक 02.12.2024 की अधिसूचना संख्या 5178 (ई) के तहत इस सूची से हटा दिया गया है।

(ङ): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने संरक्षित स्मारकों और क्षेत्रों के नुकसान को रोकने के लिए कई उपाय किये हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले संरक्षित स्मारकों एवं क्षेत्रों का समय-समय पर दौरा करते हैं ताकि संरक्षण की स्थिति का आंकलन किया जा सके तथा आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव का निर्धारण किया जा सके। इसके अतिरिक्त, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण डिजिटल अभिलेखों और स्थिति का मानचित्रण (मैपिंग) के माध्यम से स्मारकों के दस्तावेजीकरण में सुधार कर रहा है। इसके अलावा, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण स्थानीय समुदायों को धरोहर संरक्षण के प्रयासों में शिक्षित और शामिल करने के लिए सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है।

****